हमेशा फार्मर्स के हित में टैक्स-टाइल मिनिस्ट्री की तरफ से यह कोशिश रही है कि फार्मर्स को अच्छा रेट मिले और साथ ही वीवर्स को भी कम रेट मे हैंक-यार्न मिले और साथ ही मिलों का भी रेट ज्यादा न बढ़े क्योंकि देश के गरीब लोग जो बिलो पोवर्टी लाईन रहते है, ऐसे 70 प्रतिशत लोग जो हैं, उनको काटन परचेज करने में प्रति यार्ड 4 रुपए से 5 रुपए तक बढ़ने के आसार हैं। उसको हम रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री चिमन भाई मेहता : मेरा क्वेश्चन तो मिसचर का है। आर्टिफिशियल फाईबर और काटन यार्न, उसको काटन के साथ मिलाएं आप तो प्रोडक्शन भी क्लाथ का बढ़ेगा और काटन का निर्यात ज्यादा हो पाएगा। वह क्वेश्चन है सर।

श्री जी. वेंकटस्वामी : अध्यक्ष जी, काटन की शार्टेज की वजह से इंपोर्टस के लिए 5 लाख बेल्स की हमने फाइनेंस मिनिस्ट्री से मांग की है और उन्होंने दिया है विदाउट ड्यूटी और उसी तरह से विस्कोस यार्न 10 परसेंट मिक्स करने है, उसके लिए भी परमीशन हमने फाइनेंस मिनिस्ट्री से मांगी है और उस मिल ओनर को हम कहेंगे कि तुम 10 परसेंट ब्लेड करके इस क्लाथ को तैयार करो और विस्कोस को भी विदाउट ड्यूटी हम कर रहे है।

श्री चिमन भाई मेहता : इंसेंटिव कोई दिया ? फाईनेंस मिनिस्ट्री क्या इंसेंटिव दे रही है, वह जानते है। आपकी तरफ से क्या इंसेंटिव है ?

श्री जी. वेंकटस्वामी : सर, फाइनेंस मिनिस्टर से यह क्वेश्चन किया जाए तो वह रिप्लाई देंगे।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Withdrawal of NHPC from Koel Karo Project

*182. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that N.H.P.C. has withdrawn itself from Koel Kero Project in Bihar; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF POWER (SHRI N. K. P. SALVE): (a) No, Sir.

(b) Government of India however, in December, 1993 was compelled to inform the Government of Bihar who were seeking immediate steps to implement the project that the State Government may explore the possibility of execution of the Koel Karo Hydroelectric Project (4x172.5 MW plus 1x20 MW) through private participation since the current resource position of NHPC just does not enable it to start work immediately on this large project.

Expenditure on Group Contracts by the Bangalore Doordarshan Kendra

*186. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Doordarshan Kendra of Bangalore has been spending thousands of rupees on group contracts given to contractors when the same programme could be produced at much less cost by staff producers;

(b) whether such contracts are a major source of illicit earning for Doordarshan officials at this Kendra; and

(c) if so, what steps Government propose to take to put an end to such corrupt practices and wastage of public money?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEV): (a) No, Sir, Since the infrastructure and staff of Doordarshan is not ade-